संस्थान-उद्यम-समाज सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में बोले आईआईटी-बीएचयू के निदेशक

कारीगरों को बीएचयू से मिलेगी तकनीकी सहायता

वाराणसी | निज संवाददाता

आईआईटी बीएचयू कारीगरों को तकनीकी रूप से दक्ष करेगा ताकि उनके उत्पाद बड़ी कंपनियों को टक्कर दे सकें। लघु एवं कुटीर उद्योग की समस्याओं के निराकरण का प्रयास होगा। नवीन तकनीक की उपयोग विधि बताने के साथ उत्पाद बनाने के लिए सस्ते मैटेरियल की उपलब्धता की भी जानकारी दी जाएगी।

ये बातें शुक्रवार को आईआईटी बीएचयू के निदेशक प्रो. पीके जैन ने तीन दिवसीय संस्थान, उद्यम व समाज सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहीं। यह सम्मेलन उद्यम एवं समाज की जरूरतों के मद्देजनर बेहतर तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हो रहा है। प्रो. जैन ने कहा कि समाज की जरूरतें जाने बिना विकास की दिशा तय करना मुश्किल है। कार्यशाला संयोजक प्रो. पीके मिश्र ने संस्थान-समाज और उद्योग के बीच आपसी संवाद को विकास के लिए जरूरी बताया। कहा कि आस-पास के समाज की मदद के लिए आईआईटी बीएचयू में पर्याप्त संसाधन हैं।

नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक सुशील तिवारी ने बनारस के करीब 17 उत्पादों का ब्योरा दिया और कारीगरी कौशल के लिए आईआईटी बीएचयू से सहयोग मांगा। एमएसएमई, वाराणसी के उपनिदेशक वीके वर्मा ने कहा कि कुशल कारीगर बड़ी कम्पनियों से प्रतिस्पर्धा में पिछड़ जाते हैं जबकि उनका उत्पाद कलात्मक एवं श्रेष्ठ होता है। धन्यवाद प्रो. प्रदीप श्रीवास्तव ने दिया। इस अवसर पर प्रो. एसएन उपाध्याय, प्रो. आरसी तिवारी, प्रो. एएसके सिन्हा, प्रो. राजीव प्रकाश आदि मौजूद थे।

बीएचयू में बना सोलर ड्रायर व कुकर

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू और मालवीय उद्यमिता संवर्धन केन्द्र ने सोलर ड्रायर व कूकर का इजाद किया है। इन उपकरणों से टमाटर व हरी मिर्च जैसे उत्पाद लंबे समय तक संरक्षित हो सकते हैं। किसान खेतों पर ही अपने लिए भोजन भी पका सकते हैं। सोलर ड्रायर व कुकर आईआईटी बीएचयू के पूर्व छात्र गौरव केडिया के तकनीकी सहयोग से तैयार हुए हैं।

हिन्दुस्तान – 01.09.2018